बिक्री के लिए बंदर

सना स्टेनली

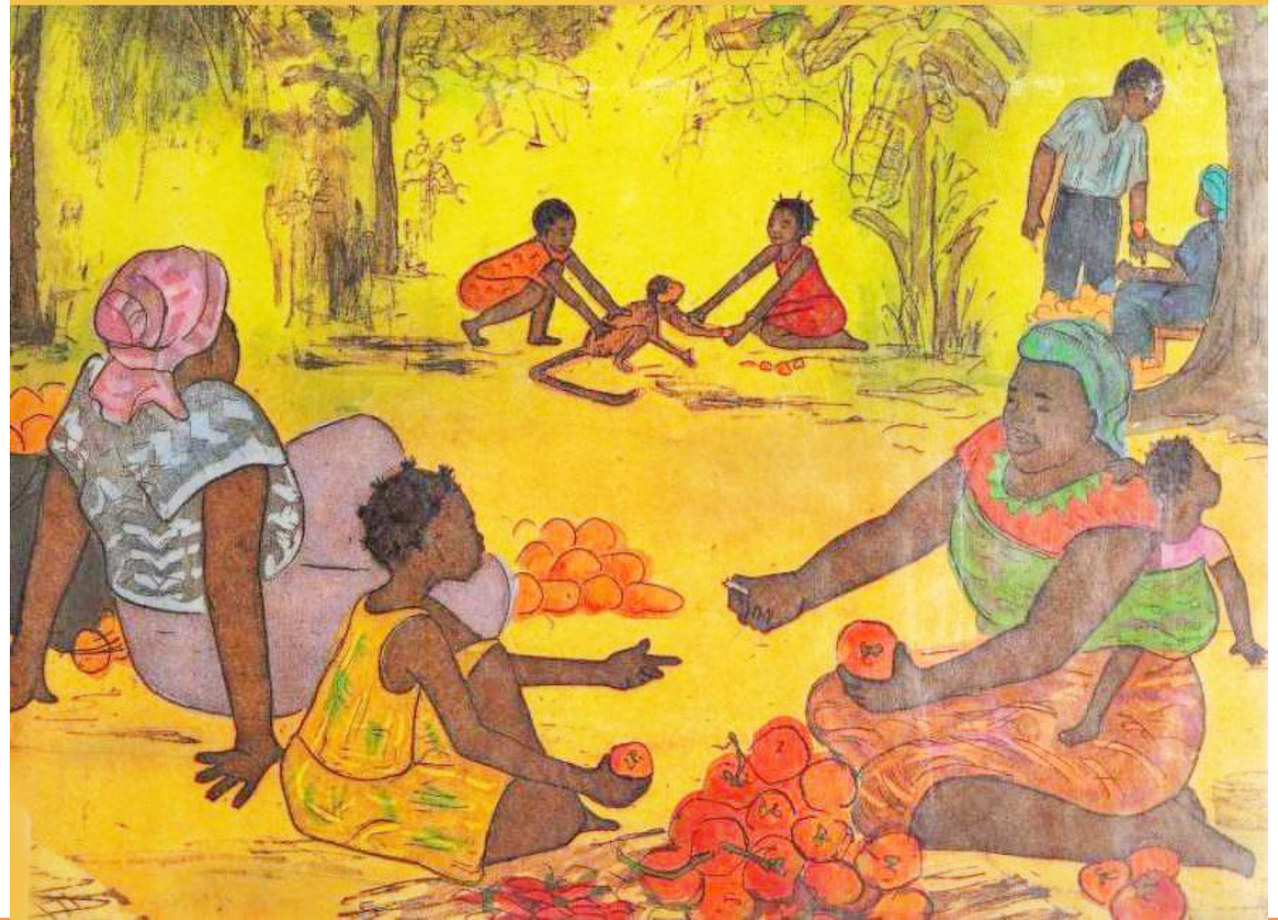

लुज़ोलो के गाँव में बाज़ार का दिन है, और उसके पास खर्च करने के लिए पाँच-फ़्रैंक का सिक्का है. उसके माता-पिता उसे बताते हैं कि बाजार के दिन, "किसी को बिना पैसों के कुछ नहीं मिलता है." वे उसे समझाते हैं, कि उसे समझदारी से चुनना चाहिए और सौदेबाजी करके ही चीज़ों को उचित कीमत पर खरीदना चाहिए. ऐसी बहुत सी चीज़ें हैं जो लुज़ोलो खरीदना चाहेगी, लेकिन वो यह बात याद रखेगी. और वो अपना पैसा खर्च करते समय बहुत सावधान रहेगी. जब उसे और उसकी सहेली केज़ी को पता चलता है कि मामा लुसुफू के पास बिक्री के लिए एक जंगली बंदर है, तो फिर दोनों लड़कियां, बंदर को बचाने के लिए ज़बरदस्त सौदेबाजी करती हैं.

सना स्टेनली की तीसरी चित्र पुस्तक कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में, उनके बचपन पर आधारित एक जीवंत कहानी है.

बिक्री के लिए बंदर

सना स्टेनली

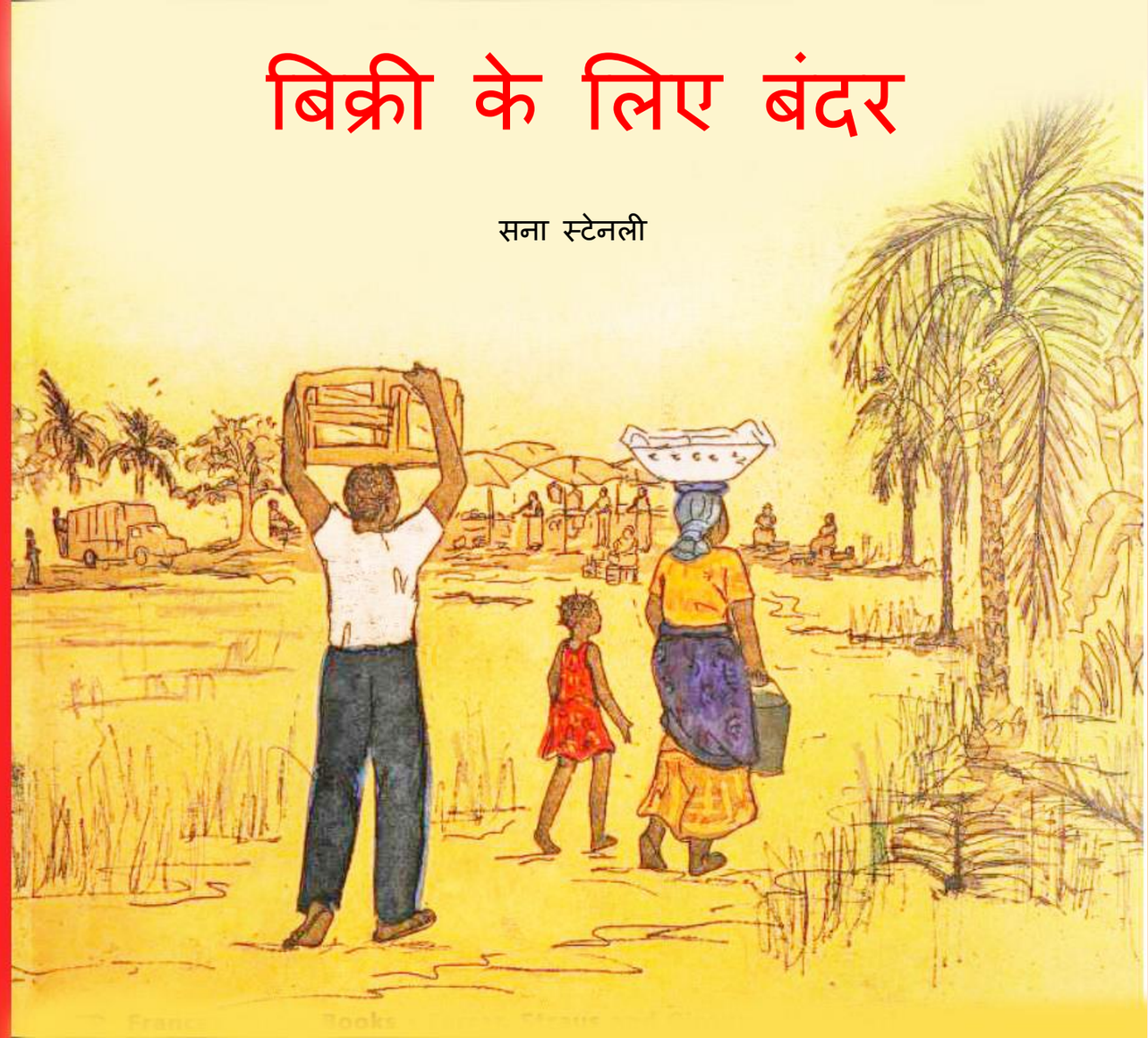

लुज़ोलो के पास बाज़ार में खर्च करने के लिए पाँच-फ़्रैंक का सिक्का था.

"पहली चीज़ जिसे तुम देखो उसे कभी मत खरीदना," उसके पिता ने कहा. "चारों ओर देखना और उसके बाद ही चुनना कि तुम वास्तव में क्या चाहती हो और फिर उचित कीमत के लिए सौदेबाजी करना."

"और याद रखना, लुज़ोलो," उसकी माँ ने कहा, "बाजार वाले दिन किसी को पैसों के बिना कुछ नहीं मिलता है."

लुज़ोलो के गाँव के लोग ज्यादातर अपने पड़ोसियों के साथ ही अपनी चीजों और सेवाओं का आदान-प्रदान और व्यापार करते थे. लेकिन महीने में एक बार बड़े बाजार का दिन होता था. बाजार के दिन आसपास के गांवों और यहां तक कि शहर से लोग भी वहां चीज़ें खरीदने-बेचने के लिए आते थे.

"बीन्स! चावल! कंघी और कैंडी!" हर स्टॉल पर लोग जोर-जोर से, अपने माल का विज्ञापन करते हुए चीख रहे थे. लुज़ोलो, मैनियोक (एक व्यंजन) और मसालेदार गर्म मिर्च वाली एक स्टाल के सामने से गुज़री. उसने कपड़े और मिट्टी के बर्तन, टोकरियाँ और टी-शर्ट वाली दुकाने भी देखीं.

उसने आम की कैंडी का एक ठेला देखा और लगभग उसने वो खरीद ली थी लेकिन तभी उसे अपनी पिता की बात याद आई, और वो आगे चल पड़ी.

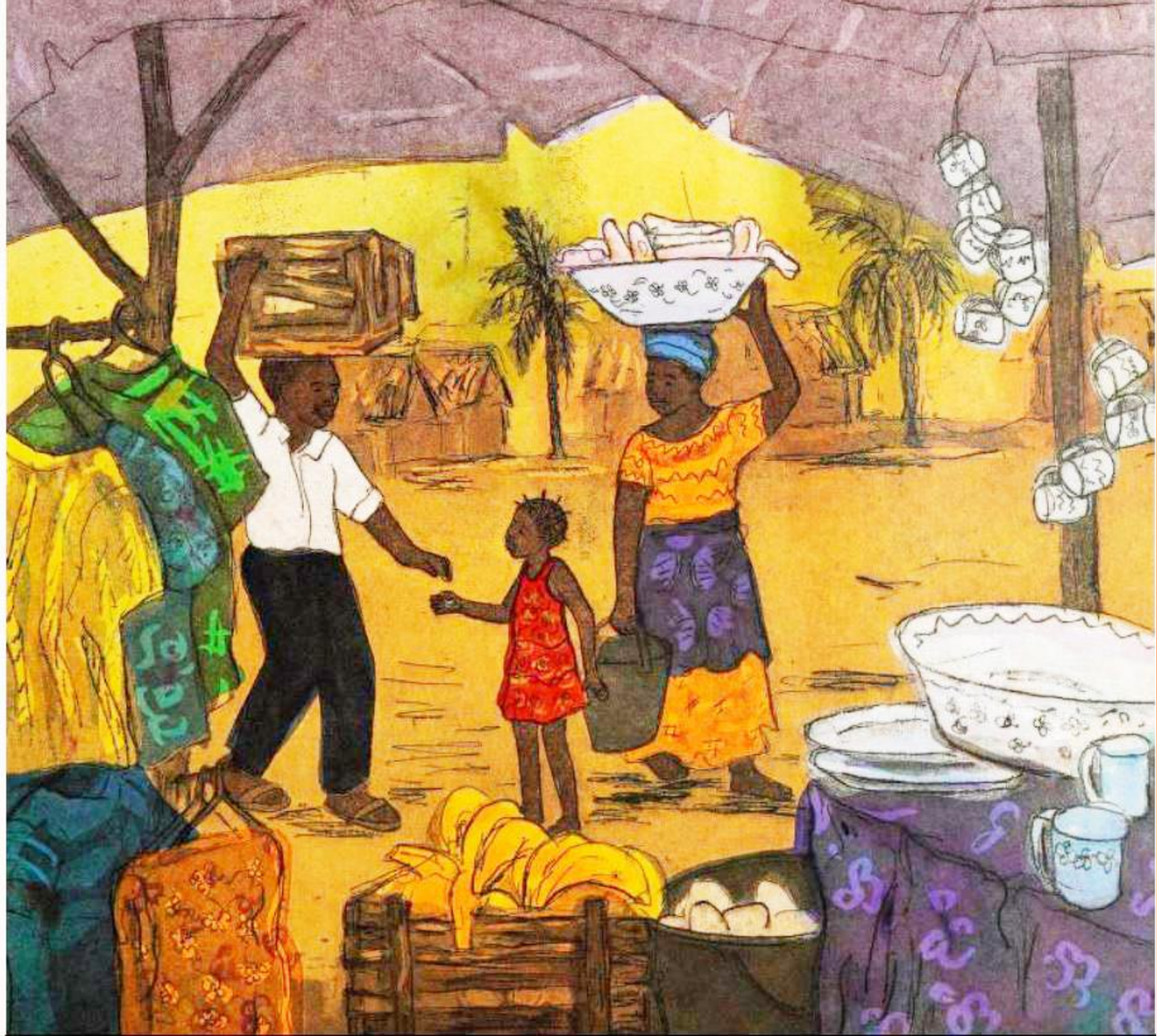

फिर लुज़ोलो ने नेल पॉलिश की चमकदार बोतलों को सजे हुए देखा. उसने एक चमकीली लाल रंग की नेल पॉलिश को छूने की कोशिश की.

"वो रंग तुम पर बहुत अच्छा लगेगा," सेल्समैन ने कहा.

"वो मेरा पसंदीदा रंग है," लुज़ोलो ने उस शीशी को पकड़ते हुए कहा.

"कितने की है?" उसने पूछा.

"पाँच फ़्रैंक," दुकानदार ने कहा.

लुज़ोलो को याद आया कि उसके पिता ने उसे मोलभाव करने को कहा था.

"तीन फ़्रैंक," उसने पेशकश की.

"वो कम हैं," आदमी ने कहा. "चार."

"ठीक है," लुज़ोलो ने कहा, और उस आदमी को अपना सिक्का सौंप दिया.

आदमी ने बदले में उसे एक फ़्रैंक का सिक्का वापिस दिया.

बाजार में एक महिला मूंगफली भून रही थी और मुकाती (पकोड़े) तल रही थी, लुज़ोलो के पसंदीदा तले हुए पकोड़े.

उनकी खुशबू से लुज़ोलो को तेज़ भूख लगने लगी.

"मूंगफली के एक पैकेट और मुकाती के एक-एक पैकेट की कितनी कीमत होगी?" लुज़ोलो ने पूछा.

"दो फ्रैंक," महिला ने कहा.

"एक," लुज़ोलो ने दृढ़ता से कहा, और अपना सिक्का हाथ में रखा.

"अच्छा ले जाओ," महिला ने कहा. उसने अखबार के दो टुकड़ों को घुमाकर शंकु बनाए और एक को मूंगफली से भरा, दूसरे को पकोड़ों से.

"नाश्ते का समय हो गया है," लुज़ोलो ने गाँव के कुत्ते से कहा.

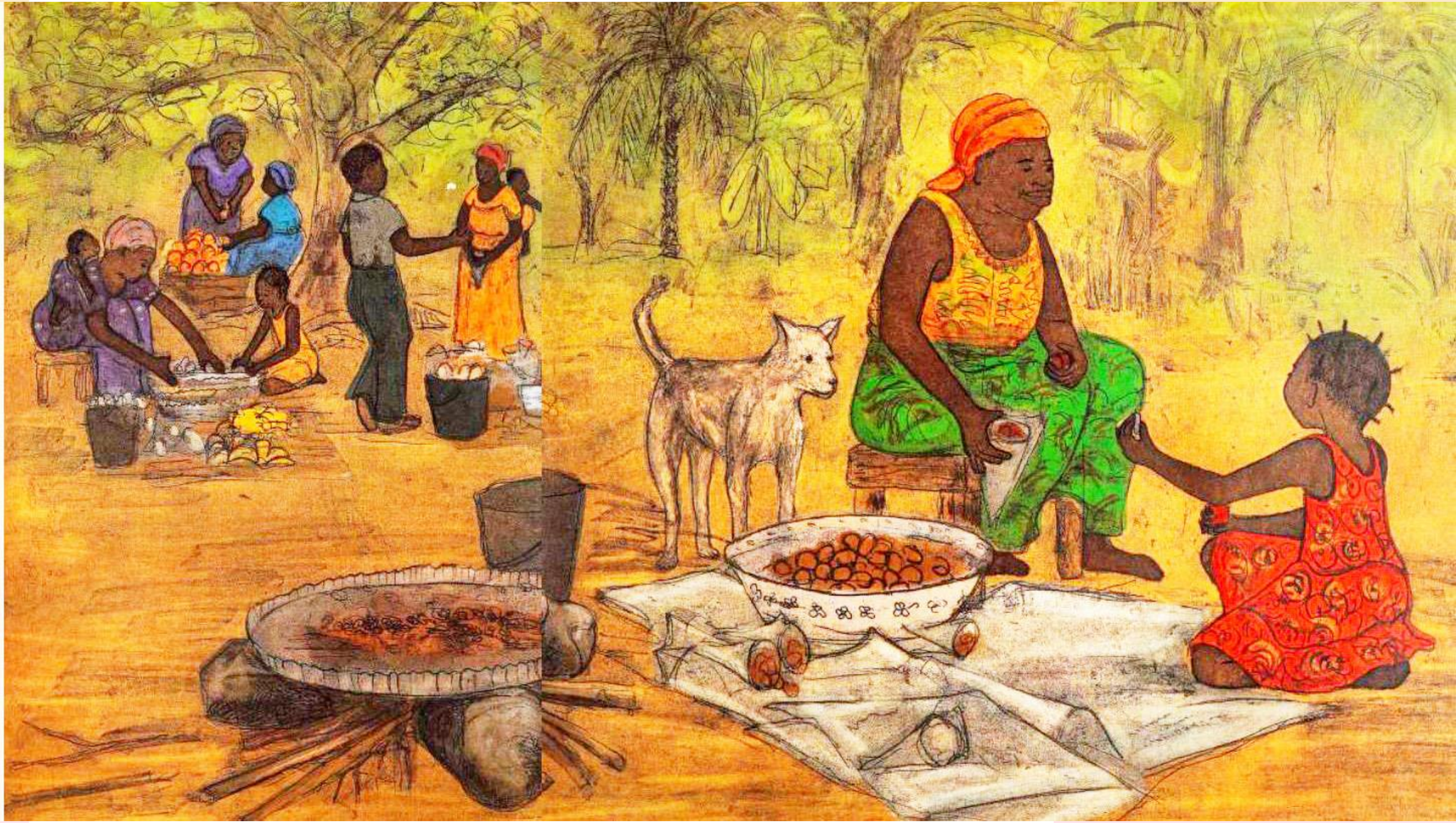

कुत्ता एक टुकड़े के लिए भूंका और लुज़ोलो ने चारों ओर बैठने के लिए कोई जगह ढूंढी.

लुज़ोलो ने कुत्ते से कहा, "बाजार के दिन किसी को बिना पैसों के कुछ भी नहीं मिलता है. मेरे लिए एक चाल करो."

उसने एक पकोड़ा निकाला. कुत्ता अपने पिछले पैरों पर खड़ा हो गया और भीख माँगने लगा. उसने उसे कुछ ताजा, गर्म पकोड़ों से पुरस्कृत किया.

लुज़ोलो की सबसे अच्छी दोस्त, कीज़ी, बाज़ार में दौड़ते हुए आई.

"लुज़ोलो, देखो मुझे क्या मिला है!" कीज़ी ने कहा. उसने अपनी मुट्ठी में रंगीन प्लास्टिक के धागों को पकड़ रखा था जिनसे गाँव की लड़कियों कंगन बुनती थीं.

"और देखो मेरे पास क्या है!" लुज़ोलो ने कीज़ी को लाल नेल पॉलिश की बोतल दिखाते हुए कहा.

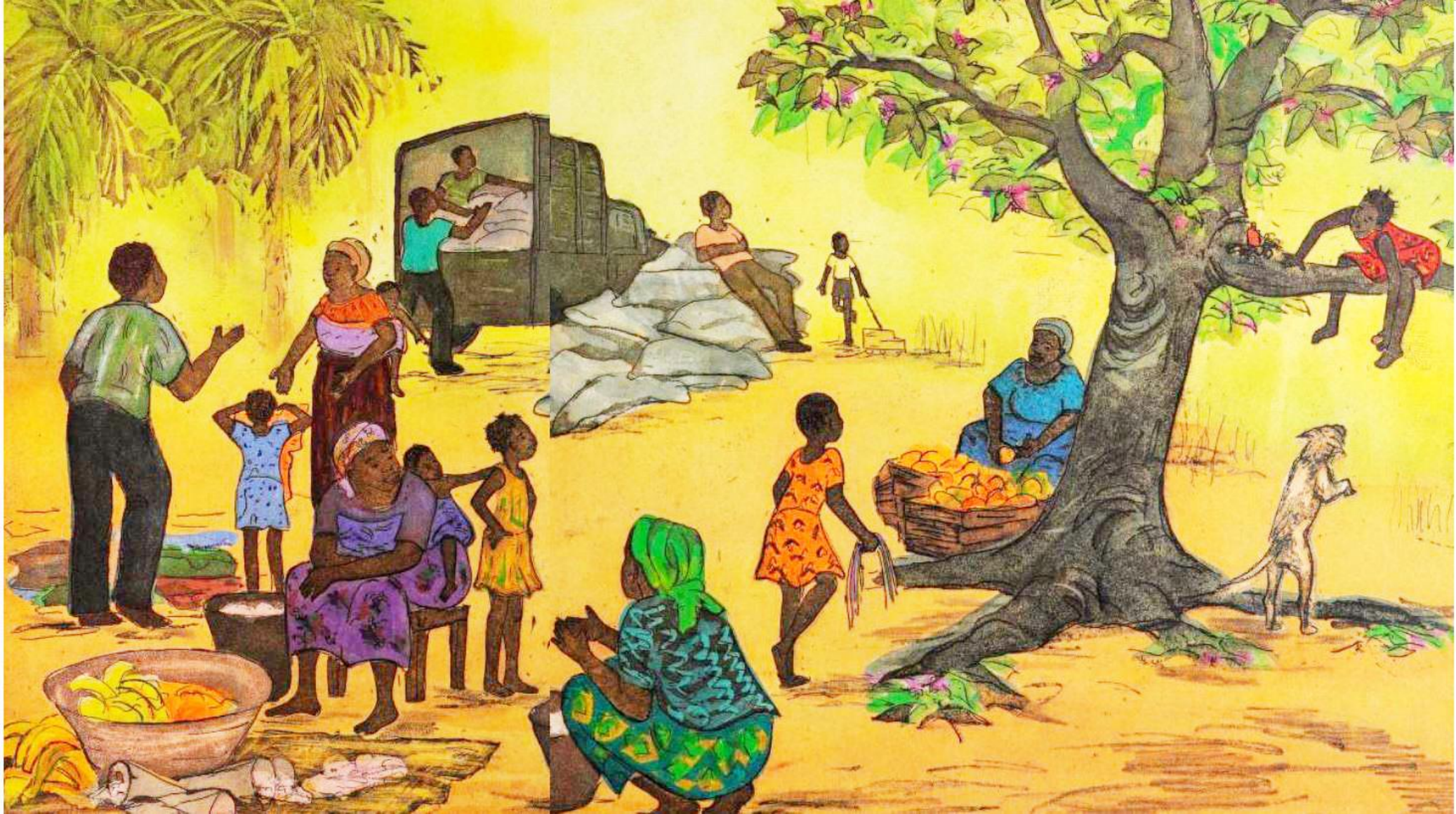

"चलो, हम एक-दूसरे की चीज़ें साझा करेंगे..." लड़कियों ने कहा.

उन्होंने प्लास्टिक के धागों से दो कंगन बुने, और फिर चमकदार लाल पॉलिश से एक-दूसरे के नाखूनों को रंगा. उनके चारों ओर, तमाम लोग चिल्ला रहे थे, बातें कर रहे थे और सौदेबाजी कर रहे थे.

"मैनियोक! मूंगफली! बीन्स! चावल! टिन कप! ... बिक्री के लिए बंदर!"

"क्या किसी ने कहा *बिक्री के लिए बंदर*?" लुज़ोलो ने पूछा.

"हाँ वो मामा लुसुफू की आवाज़ लगती है," कीज़ी ने कहा. "और अगर उसके पास एक बंदर है ..."

"हम लोग जल्दी करें!" लुज़ोलो चिल्लाई, और वे दौड़ पड़े. दोनों लड़कियों को पता था कि मामा लुसुफू कुछ भी बेचेंगी, यहां तक कि किसी जंगल के जानवर को भी.

निश्चित रूप से, मामा लुसुफू के स्टाल से एक बंदर बंधा हुआ था.

"क्या वो बन्दर अच्छा पालतू जानवर बनेगा?" शहर के एक आदमी ने पूछा.

"अब तक का सबसे अच्छा पालतू जानवर," मामा लुसुफु ने कहा, "और उसकी कीमत सिर्फ पंद्रह फ्रैंक है."

"कीमत बहुत ज़्यादा है," आदमी ने कहा. "दस से ज़्यादा नहीं. "

"चौदह." मामा लुसुफू ने अपनी कीमत कम करते हुए कहा.

"दस," आदमी ने जोर देकर कहा.

"नहीं बहुत ज़्यादा है!" मामा लुसुफू चिल्लाईं.

"हम देखेंगे," आदमी ने कहा. "मैं कुछ देर में वापस आऊंगा."

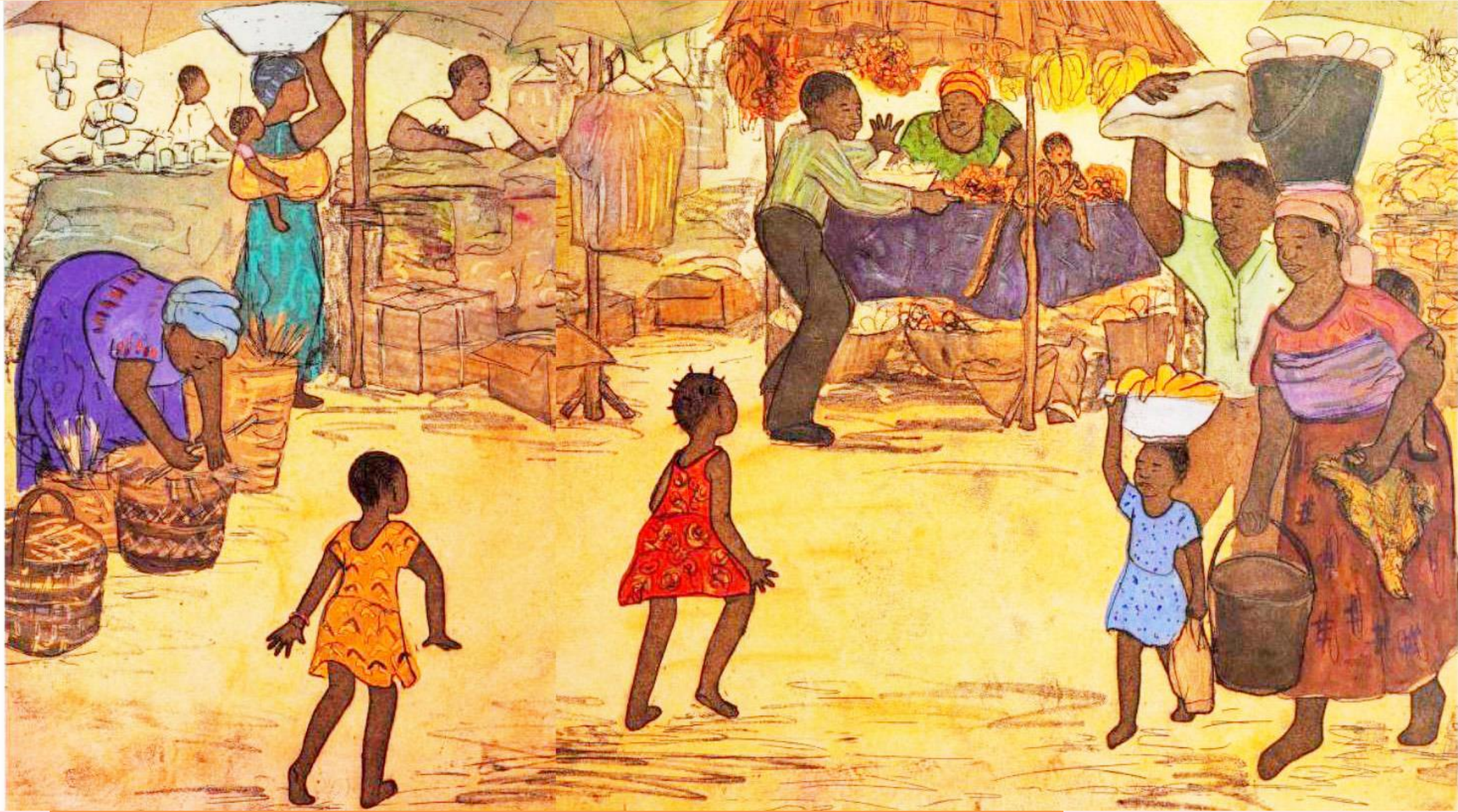

"मामा लुसुफू, आप इस बंदर को नहीं बेच सकती हैं!" लुज़ोलो चिल्लाई.

"मैंने उसे पकड़ा है और अब मैं उसे बेच रही हूँ," मामा लुसुफू ने कहा.

"कृपया आप हमें वो बंदर दे दें," लूज़ोलो ने विनती की.

"हमारे पास जो कुछ भी है वो हम आपको दे देंगे," कीज़ी ने कहा.

"नहीं, लड़कियों, मैं इस बंदर को बेंचकर एक नया पानी का घड़ा खरीदूंगी. जब मैं इस बदमाश बन्दर को अपने बगीचे से खदेड़ रही थी तब मेरा घड़ा टूट गया," मामा लुसुफु ने कहा. "उस बन्दर ने मेरा खाना भी खा लिया!" उन्होंने जोड़ा.

"पानी का घड़ा?" कीज़ी ने पूछा, और उसने लुज़ोलो को धक्का दिया. कीज़ी की माँ पूरे गाँव के लिए पानी के घड़े बनाती थीं.

"अगर हम आपको पानी का घड़ा दिलवा दें, तो क्या आप हमें बंदर दे देंगी?" लुज़ोलो ने मामा लुसुफु से पूछा.

"मेरे पास अभी भी बंदर है और अगर तुम मुझे एक अच्छा पानी का घड़ा दिलवाओगी, तो फिर हमारा सौदा पक्का," मामा लुसुफू ने कहा. "लेकिन एक अच्छा पानी का घड़ा काफी महंगा होता है..."

किज़ी की माँ ने तभी अपने सामान की बिक्री पूरी की थी.

माँ मुस्कुराई जब किज़ी ने कहा कि मामा लुसुफ़ू को पानी का घड़ा चाहिए था.

"कितना भाग्यशाली दिन है," किज़ी की माँ ने कहा. "अगर मामा लुसुफ़ू मुझसे पानी का एक घड़ा खरीदेंगी, तो फिर मैं लुज़ोलो की माँ से एक कढ़ाई खरीद सकती हूँ. वैसे तुम्हारी माँ, गाँव में सबसे अच्छी कढ़ाई बनाती हैं," उन्होंने लुज़ोलो से कहा.

लड़कियाँ लुज़ोलो की माँ के स्टॉल की ओर चल पड़ीं.

"माँ," लुज़ोलो ने कहा, "किज़ी की माँ को एक कढ़ाई चाहिए."

"अच्छा," लुज़ोलो की माँ ने कहा. "तब मैं टिन के बने कुछ नए कप खरीद सकती हूँ."

"नहीं!" लुज़ोलो ने कहा.

"नहीं?" उसके पिता ने पूछा, और उन्होंने लुज़ोलो के चमकीले लाल नाखूनों की ओर इशारा किया. "तुम्हें वो मिला है जो तुम चाहती थीं. देखो, अब तुम्हारी माँ को भी वो मिलना चाहिए जो वो चाहती हैं."

"नहीं, मैं वास्तव में वो बंदर चाहती हूँ!" लुज़ोलो ने कहा.

"बंदर!" एक ही समय में उसके माता-पिता दोनों चिल्लाए.

लड़कियों ने समझाया कि मामा लुसुफू एक बंदर बेच रही थीं, जिससे वो कीज़ी की मां से पानी का घड़ा खरीद सकें, जो खुद एक कढ़ाई खरीदना चाहती थीं. . .

"और मामा टिन के प्याले चाहती हैं," लुज़ोलो के पिता ने कहा. "लेकिन तुम्हें क्या लगता है टिन कपों का दुकानदार क्या चाहेगा?"

जब लुज़ोलो और कीज़ी टिन कप के विक्रेता से मिलीं, तो उसने टोकरियाँ बेचने वाली एक महिला की ओर इशारा किया.

"मैं अपनी पत्नी के लिए हाथ से बुनी हुई उन टोकरियों में से एक चाहता हूँ," उसने लड़कियों से कहा. फिर वे टोकरी बुनने वाली से मिलने के लिए दौड़ीं.

"कृपया," लुज़ोलो ने टोकरी बुनकर से कहा, "हमें एक बहुत अच्छी टोकरी चाहिए."

"इस टोकरी का तुम मुझे कितना दोगी?" महिला ने पूछा.

"हमारे पास जो कुछ भी है," कीज़ी ने कहा.

"यह वास्तव में अच्छी बात है," महिला ने नेल पॉलिश और ब्रेसलेट को देखते हुए कहा. "लेकिन मुझे असल में बीन्स और चावल की जरूरत है."

" बीन्स और चावल!" लुज़ोलो ने कहा. "सभी के पास बीन्स और चावल होते हैं!"

"नहीं बेटा, सभी के पास वो नहीं होते हैं," महिला ने मुस्कुराते हुए कहा.

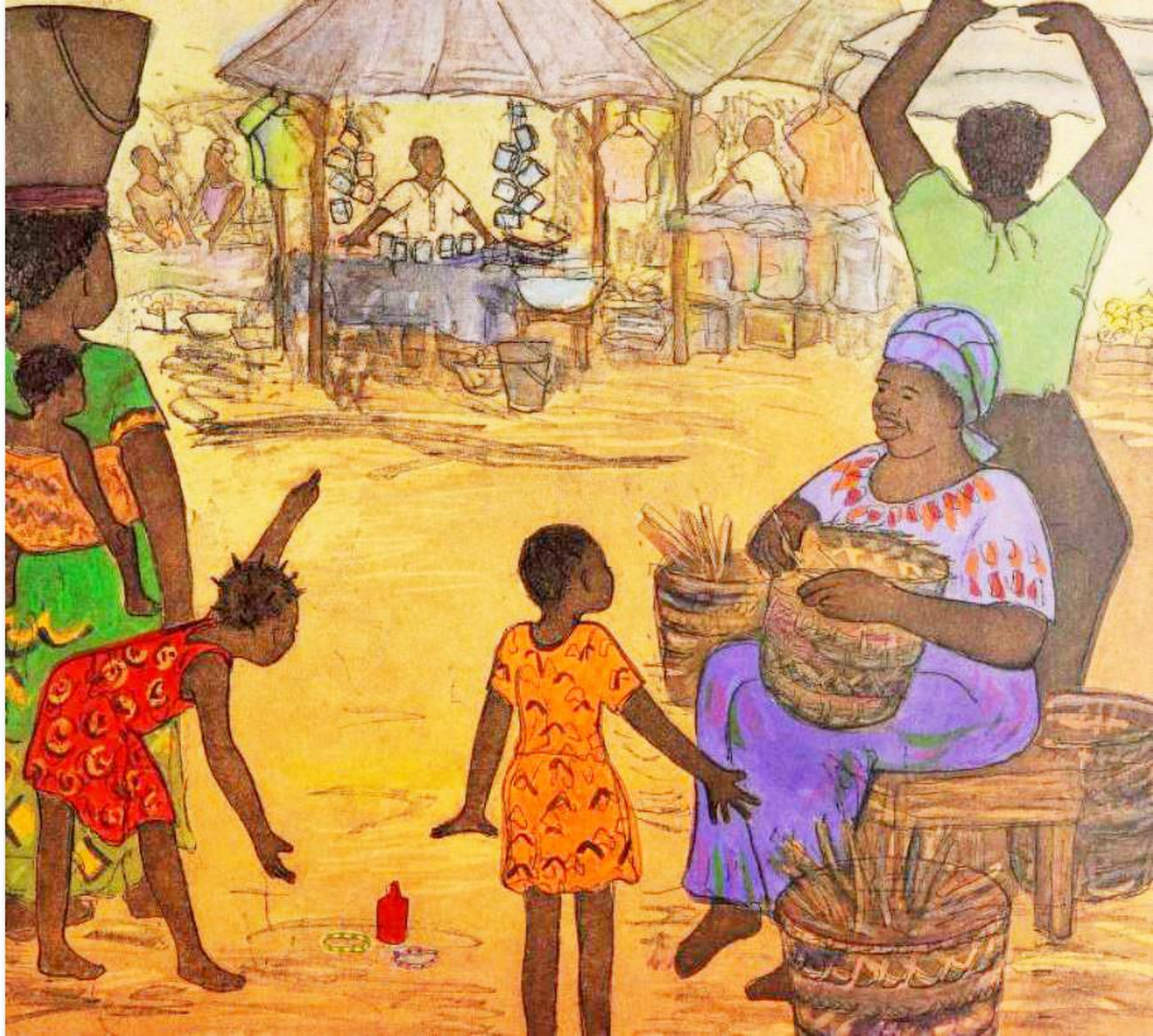

टोकरी बुनकर की बात सही थी. लगभग हर ग्रामीण के पास बिक्री के लिए बीन्स और चावल के छोटे-छोटे ढेर थे. दोनों लड़कियों को बीन्स और चावल के कई छोटे पैकेट आसानी से दो ब्रेसलेट और लाल नेल पॉलिश की पूरी बोतल के बदले में मिल गए.

टोकरी बुनकर बींस और चावल के पैकेटों से प्रसन्न हुई और बदले में उसने लड़कियों को अपनी सबसे अच्छी टोकरी दी जो उसने अभी-अभी बनाई थी.

टिन कपों के विक्रेता ने कहा कि उसकी पत्नी को वो टोकरी बहुत पसंद आएगी, और उसने उन्हें चार नीले टिन के प्याले दिए, जिन पर फूल रंगे हुए थे.

लुज़ोलो की माँ ने कहा प्याले बिल्कुल वैसे थे जैसे वो चाहती थीं, और उन्होंने लड़कियों को कीज़ी की माँ के लिए अपनी सबसे अच्छी कढ़ाई दी.

कीज़ी की माँ को कढ़ाई बहुत पसंद आई, और उन्होंने मामा लुसुफ़ु के लिए एक बड़ा, सुंदर पानी का घड़ा दिया.

"सावधानी से और धीरे से उसे लेकर जाना," कीज़ी की माँ ने घड़े को कीज़ी के सिर पर रखते हुए कहा.

शहर का आदमी वापस आ गया था, और मामा लुसुफू के स्टाल पर बंदर के लिए सौदेबाजी कर रहा था.

"दस फ्रैंक," उसने दृढ़ता से कहा.

"बारह," मामा लुसुफू चिल्लाई.

"ग्यारह," आदमी ने अपने सिक्के दिखाते हुए कहा.

"मामा लुसुफू!" लुज़ोलो ने उन्हें रोकते हुए कहा.

"आपने कहा था कि अगर हम आपको पानी का घड़ा दिलाते हैं तो आप हमें बंदर देंगी!" कीज़ी चिल्लाई.

"मैंने कहा था कि अगर मेरे पास अगर बंदर होगा," मामा लुसुफ़ु ने कहा, "पर मैं अभी-अभी उसे बेंचने जा रही हूँ."

वो लड़कियों की ओर देखने लगीं पर तभी पानी के घड़े ने उनका ध्यान खींचा.

"यह एक बहुत अच्छा पानी का घड़ा है," मामा लुसुफू ने कहा, और वो किज़ी के सिर पर से घड़ा उतारने के लिए उठीं.

"बहुत बढ़िया," उन्होंने फिर कहा.

"मुझे माफ़ करें, लेकिन बंदर अच्छे पालतू जानवर नहीं बनते हैं," उन्होंने शहर के आदमी से कहा. "वे बहुत ज्यादा खाते हैं."

"देखो, एक सौदा, सच में एक सौदा होता है," उन्होंने लड़कियों से कहा.

मामा लुसुफ़ू ने बंदर की रस्सी लुज़ोलो को सौंप दी.

बंदर रस्सी खींचकर उसके पास पहुंच गया.

"अरे नहीं, तुम जहाँ जा रहे हो वहां तुम्हें इस रस्सी की जरूरत नहीं होगी। हम तुम्हें कहाँ ले जा रहे हैं ...?" लुज़ोलो ने बंदर से पूछा.

"देखो, तुम अपने घर जा रहे हो," कीज़ी ने कहा.

यह सुनकर बंदर ख़ुशी से चीखा और लुज़ोलो की बाहों में कूद गया. फिर लड़कियां जंगल के किनारे की ओर चल पड़ीं.

जब कीज़ी ने रस्सी खोली, तो बंदर लुज़ोलो की बाहों से नीचे कूदा. वो भाग गया और पेड़ों पर चढ़ गया.

"अगली बार, मामा लुसुफ़ु से दूर रहना!" लुज़ोलो ने बंदर को सलाह दी.

लेकिन वो सुन नहीं रहा था.

अंत